गाँधी भवन

दिल्ली विश्वविद्यालय

सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का प्रतिवेदन (रिपोर्ट)

'सुशासन दिवस' के उपलक्ष्य में गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रोफेसर अनीता शर्मा, निर्देशिका (माननीय), गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने सुशासन के मुख्य स्तम्भों - सत्य, स्वच्छ पर्यावरण, योग एवं ध्यान तथा स्वस्थ शरीर, को ध्यान में रखते हुए सुसाशन दिवस के अंतर्गत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का गाँधी भवन में आयोजन किया।

२० दिसंबर २०१५ को सुबह 'गीता प्रवचन' के आयोजन से कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया जिसमें हम सब को जीवन का सही अर्थ समझने का अवसर प्राप्त हुआ। दुःख, क्रोध, ईर्ष्या से लिप्त मनुष्यों को गीता सत्य का मार्ग दिखाती है। गीता में धैर्य, संतोष, शांति प्राप्त करने के बारे में उपदेश दिया गया है। सुशासन के लिए इन सब का बहुत महत्व है। रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली, के स्वामी शांतात्मानंद जी ने श्रीमदभगवद गीता के अध्याय ६ के ११ से २० श्लोकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। आज के सन्दर्भ में गीता की प्रासंगिकता का वर्णन किया। शरीर और मन के एकचित्त होने से मनुष्य अपना ध्यान सही पर केंद्रित कर सकता है। भय का त्याग करके निडर भाव से कार्य करने से मनुष्य प्रेम और स्नेह से कार्य कर सकता है। स्वामी जी के प्रवचन से छात्र विशेषतया प्रभावित हुए।

गीता प्रवचन

गीता प्रवचन के पश्चात् हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों नें भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का शीर्षक था, 'सत्य सफलता की कुँजी है'। पक्ष तथा विपक्ष में छात्रों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। इसके निर्णायक मंडल में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रध्यापिकाएँ रहीं। कुल ४३ छात्रों नें अपना नाम प्रतियोगिता के लिए दिया जिसमें से २५ छात्रों ने भाग लिया। सभी प्रतियोगियों को ४ मिनट का समय दिया गया। पुरस्कारों के विजेता इस प्रकार रहे:

पक्ष में:

(क) प्रथम पुरस्कार: सृष्टि भार्गव - मैत्रयी महाविद्यालय
(ख) द्वितीय: केसरीनंद - भीम राव आंबेडकर महाविद्यालय

विपक्ष में:

(क) प्रथम पुरस्कार: अंशुल शर्मा - भारती महाविद्यालय
(ख) द्वितीय पुरस्कार: चयनिका जून - जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

सांत्वना पुरस्कार

(क) गुरशरण कौर - जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय
(ख) मीना - भीम राव आंबेडकर महाविद्यालय

इस प्रतियोगिता में विद्याथियों ने बहुत ही सरल भाषा में अपने विचार प्रस्तुत किये। हमारे युवा छात्र यदि सत्य के महत्व को समझकर जीवन में आगे बढ़ेंगे तब कोई कारण नहीं कि सफलता उनसे दूर रहेगी। सत्य के मार्ग पर चलकर देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करना ही इनका ध्येय होना चाहिए।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिनांक २१ दिसंबर २०१५ को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय था, 'सुशासन में योग एवं ध्यान का महत्व'। वक्ता श्री इन्द्र नारायण रमन, योग व्यवस्थापक, गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने आज के सन्दर्भ में सुशासन का महत्व और इसमें भारत सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा जो विशेष कार्य किये जा रहे हैं उन पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के कूटनीतिज्ञ कौटिल्य के साथ साथ अरस्तु और प्लेटो के दर्शन में सुशासन का भी उल्लेख किया। प्राचीन भारत में रामराज्य के रूप में सुशासन को रेखांकित किया। आधुनिक भारत में संविधान के माध्यम से सुशासन की अवधारणा को स्पष्ट शब्दों में बताया तथा सुशासन को हम किस तरह से व्यवहारिक कार्यशैली में ला सकते हैं, का भी उल्लेख किया। प्रोफेसर अनीता शर्मा, निर्देशिका, गाँधी भवन, ने श्रोताओं को अपने स्तर से सुशासन को जीवन के व्यवहारिक पहलुओं से कैसे जोड़ा जाए, इस पर जोर दिया। साथ ही इसके लिए कैसे पहल की जाये, अपने अनुभव सभी के साथ बांटे। श्रोताओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये तथा अपने कार्य के दौरान आने वाली कठिनाइयों पर अपने विचार व्यक्त किये।

विशेष व्याख्यान *'सुशासन में योग एवं ध्यान का महत्व'*

इन्हीं कार्यक्रमों को आगे बढ़ाते हुए २२ दिसंबर २०१५ को एक विशेष व्याख्यान 'पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' का आयोजन किया गया जिसके वक्ता रहे डॉ रवि भाटिया, जो कि प्रबंधक निकाय, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य हैं। अपने व्याख्यान में डॉ भाटिया नें पर्यावरण प्रदूषण के कारण व निवारण के साथ साथ इसके दुष्परिणाम स्वरुप हमारे स्वास्थ्य के स्तर में हो रही गिरावट को एक बड़ी चुनौती, न सिर्फ चिकित्सकों के लिए बल्कि समाज, राष्ट्र, सरकार एवं प्रत्येक नागरिक के लिए बतायी। उन्होंने अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक अच्छी जीवनशैली को आवश्यक बताया तथा अच्छे स्वास्थ्य के अनेक उपयोगी 'टिप्स' सरल शब्दों में बताये जिसे श्रोताओं नें ध्यानमग्न होकर सुना और अंत में तालियों के साथ डॉ भाटिया का उत्साहवर्धन किया। गाँधी भवन की निर्देशिका (माननीय), प्रोफेसर अनीता शर्मा ने स्वच्छ पर्यावरण तथा स्वस्थ शरीर का महत्व बताते हुए डॉ रवि भाटिया एवं श्रोताओं का धन्यवाद दिया।

'पर्यावरण एवं स्वास्थ्य'

प्रोफेसर अनीता शर्मा

निर्देशिका (माननीय), गाँधी भवन